RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 06 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 133 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

रंगदारी और रिश्वतखोरी मामला: ट्रिब्यूनल का कहना है कि एनसीबी के डिप्टी डीजी वानखेड़े के खिलाफ जांच टीम का हिस्सा नहीं हो सकते थे

केंद्र सरकार और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को रिपोर्ट के आधार पर उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से पहले वानखेड़े को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देना होगा।

मुंबई : केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण ने माना है कि एनसीबी के उप महानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग्स मामले के संबंध में आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े द्वारा कथित प्रक्रियात्मक खामियों की जांच के लिए गठित जांच दल का हिस्सा नहीं हो सकते थे। ट्रिब्यूनल ने कहा कि सिंह ने वानखेड़े को ड्रग्स-ऑन-क्रूज मामले की जांच के संबंध में निर्देश दिए थे, इसलिए वह जांच टीम का हिस्सा नहीं हो सकते थे।

ट्रिब्यूनल ने 21 अगस्त के अपने आदेश में कहा कि चूंकि जांच टीम द्वारा प्रस्तुत निष्कर्ष प्रारंभिक प्रकृति के थे, इसलिए केंद्र सरकार और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को रिपोर्ट के आधार पर उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से पहले वानखेड़े को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देना होगा। मंगलवार को वानखेड़े ने बॉम्बे हाई कोर्ट को कैट (ट्रिब्यूनल) के आदेश की जानकारी दी।

न्यायमूर्ति नितिन साम्ब्रे और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की खंडपीठ वानखेड़े की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज जबरन वसूली और रिश्वतखोरी के मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। सीबीआई का मामला यह है कि वानखेड़े और चार अन्य ने अभिनेता शाहरुख खान से 2021 में कॉर्डेलिया क्रूज जहाज से ड्रग्स की कथित जब्ती के बाद उनके बेटे आर्यन को फंसाने के लिए 25 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग की थी। आर्यन खान ने सजा मिलने से पहले लगभग एक महीना जेल में बिताया था। जमानत।

पीठ ने कहा कि वानखेड़े चाहें तो कैट के आदेश को रिकॉर्ड पर रखते हुए एक हलफनामा दायर कर सकते हैं और मामले को बुधवार को सुनवाई के लिए रख दिया। ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजीत मोरे और सदस्य आनंद माथुर ने 21 अगस्त के अपने आदेश में कहा कि एनसीबी अधिकारी ज्ञानेश्वर सिंह उस विशेष जांच दल (एसईटी) का हिस्सा नहीं हो सकते थे जो वानखेड़े की कथित प्रक्रियात्मक खामियों की जांच कर रहा था। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी वानखेड़े कथित क्रूज ड्रग भंडाफोड़ के समय एनसीबी के जोनल निदेशक थे। ट्रिब्यूनल ने कहा कि ड्रग्स मामला दर्ज होने के बाद, सिंह ने न केवल वानखेड़े को जांच के संबंध में पर्यवेक्षण और निर्देश दिए, बल्कि उन्हें कार्य योजना भी दी। ''प्रतिवादी नंबर 4 (सिंह), हमारी राय में, जांच में सक्रिय रूप से शामिल होना एसईटी का हिस्सा नहीं हो सकता था, जिसे जब्ती के दौरान अधिकारियों की ओर से कथित प्रक्रियात्मक खामियों की जांच करने और पालन करने के लिए गठित किया गया था। उपरोक्त अपराध के संबंध में कार्रवाई जारी रहेगी,'' ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा। हालाँकि, कैट ने एनसीबी के इस तर्क पर ध्यान दिया कि एसईटी रिपोर्ट प्रारंभिक प्रकृति की थी और वानखेड़े के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में केंद्र सरकार और एनसीबी द्वारा एक स्वतंत्र निर्णय लिया जाएगा। ''हमारी राय है कि प्रतिवादियों (केंद्र सरकार और एनसीबी) को आवेदक (वानखेड़े) के खिलाफ एसईटी रिपोर्ट और उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई शुरू करने से पहले व्यक्तिगत सुनवाई का निर्देश देने से न्याय का हित सुरक्षित रहेगा। इस प्रकार लिए गए निर्णय के बारे में एक तर्कसंगत और स्पष्ट आदेश पारित करके उन्हें सूचित किया जाएगा।'' ट्रिब्यूनल ने वानखेड़े द्वारा दायर एक आवेदन पर अपना आदेश पारित किया, जिसमें पूर्व मुंबई जोन प्रमुख के खिलाफ जांच के लिए गठित एंटी-ड्रग्स एजेंसी के एसईटी द्वारा प्रस्तुत जून 2022 की रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की गई थी।

शिवसेना जनप्रतिनिधियों के विकास कार्यों में किए गये भ्रष्टाचार को राकांपा बेनकाब करेगी

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) चेंबूर अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व शिवसेना विधायक तुकाराम काते पर पांजर पोल सहयाद्रि नगर में तीन एकड़ जामिन पर बौद्ध पार्क सरकारी कागजों में बनाकर साढ़े तीन करोड़ रुपए महाडा का फंड भ्रष्ट महाडा अधिकारियो समेत बोगस ठेकेदारों के जरिए हड़पने का कार्य किया है । ऐसा गंभीर आरोप लगाकर चेंबूर अणुशक्ति नगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में रातों रात चर्चा में आने वाले रंकापा युवक कांग्रेस अधक्ष्य निलेश भोंसले ने तुकाराम काते को जनता के विश्वासघात ,धोका देने वाला बताया है । वही इशारों इशारों में शिवसेना जनप्रतिनियो के विकास कार्यों की आड़ में भ्रष्टाचार, घोटालों को बेनकाब कर जांच सीबीआई, ईडी जैसी एजेंसियों से जांच करवाने

का काम करेगी । चेंबूर में अशोक नगर , गणेश नगर की ढाई हजार की संख्या में रहने वाली जनता को धोका देने का कार्य किया है ।यहां पर एस आर ए प्रोजेक्ट में घर देने के नाम पर ढाई हजार लोगो को आपने घर खाली करने के लिए डिजर्व बिल्डर के प्रोजेक्ट के लिए कहा था ।जिसपर आठ वर्ष का समय बीत जाने के बाद भी इलाके के निवासियों को अभी तक रहने को घर नहीं मिला , रूम का भाड़ा नही मिला । अब जाकर समस्या मुहाने पर आने के चलते महाडा का एस आर ए प्रोजेक्ट धीमे गति से चालू हुआ है । कोरोना में जहां देश भर की जनता एक दूसरे की मदद कर जिंदगी की जंग जीतने में लगी थी ।वहीं तुकाराम काते रिख्त पड़े बिपिटी की जामिन पर कृष्णा लॉन ,बेस्ट जामिन के पीछे एक गोल्डन बैंक्वेट बनाकर अपनी अनाधिकृत प्रॉपर्टी बनाने में व्यस्त थे । इसके अलावा तुकाराम काते ने घाटला में एक निजी व्यक्ति की जामिन पर अवैध तरीके से अपना स्कूल बनाने का कार्य किया है । जिसके बाद उस जामिन का मालिक अपनी जामिन लौटाने के लीए राज्य की शिंदे सरकार से फरियाद कर रहा है । काते पीड़ित जामिन मालिक को ढाई हजार बच्चो का भविष्य खराब होने की दुहाई दे रहे है ।

भिवंडी मनपा मुख्यालय के सामने विभिन्न मांगो को लेकर श्रमजीवी संघ का धरना प्रदर्शन

मुस्तकीम खान

भिवंडी : देश में अमृत महोत्सव के बाद भी भिवंडी शहर के आदिवासियों को बुनियादी नागरिक सुविधाओं को लेकर कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी भिवंडी मनपा प्रशासन से बार-बार पत्राचार करने के बावजूद भी प्रशासन इस मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है जिस पर विरोध जताते हुए श्रमजीवी संगठन ने मनपा मुख्यालय के सामने ढोलकी वादन के साथ आदिवासी पारंपरिक गीत और नृत्य कर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया । इस दौरान श्रमजीवी संगठन के महासचिव बालाराम भोईर, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दत्तात्रय कोलेकर, जिला अध्यक्ष अशोक साप्ते ने आंदोलन का नेतृत्व किया और जिला पदाधिकारी संगीता भोमटे, प्रमोद पवार, सुनील लोन, सागर देसाक, आशा भोईर, महेंद्र निरगुडा,

मुकेश भांगरे, हीरामन गुलवी, तानाजी लहंगे आदि ने जमकर नारेबाजी की। भिवंडी महानगरपालिका के जलापूर्ति विभाग में पाइप लाइन मरम्मत, बोरवेल मरम्मत, वॉल मैन के कार्य के लिए ठेकेदारों को नियुक्त किया गया है। मेसर्स बुबेर कंस्ट्रक्शन, मे राम कोरे, मे. जखनूस कंस्ट्रक्शन एवं मे बाबूलाल पटेल द्वारा मजदूरों से कार्य कराया जाता है, परंतु कार्यरत मजदूरों को अल्प मजदूरी देकर आर्थिक शोषण किया जा रहा था। इसका विरोध करने के बाद भी इन श्रमिकों को न्यूनतम वेतन में अंतर नहीं दिया गया है। ठेकेदार एम. बरकत कंस्ट्रक्शन ने ठेका श्रमिकों को न्यूनतम वेतन, वेतन पर्ची, पहचान पत्र, न्यूनतम वेतन में अंतर, दिवाली का बोनस जैसी कोई सुविधा नहीं दी है। कई मजदूर का तीन-तीन महीने के वेतन का भुगतान भी नहीं किया गया है। इस तरह के शोषण से बेहाल हैरान परेशान ठेका मजदूरों ने मनपा मुख्यालय के सामने यह उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया । इस दौरान श्रमजीवी संगठन के अध्यक्ष महेंद्र निर्गुड़ा ने बताया कि अगर अगले एक महीने में आदिवासियों की बुनियादी नागरिक सुविधाएं पूरी नहीं की गईं तो विरार-भायंदर में हुए महाप्रदर्शन की तरह ही विरोध प्रदर्शन भिवंडी मनपा परिसर में किया जाएगा।

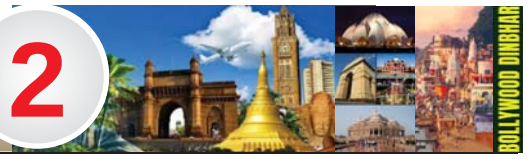

संपादकीय / लेख

जरूरी है शिक्षकों की गरिमा स्थापित होना...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मानव सभ्यता के संदर्भ में अध्यापन कार्य न केवल दूसरे व्यवसायों की तुलना में सदैव विशेष महत्व का रहा है, बल्कि अन्य सभी व्यवसायों का आधार भी रहा है। आज सामाजिक परिवर्तन विशेषतः तकनीक की तीव्र उपस्थिति शिक्षक और शिक्षार्थी के रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। साथ ही कक्षा, समाज और व्यापक विश्व के संदर्भ में शिक्षक की संस्था भी नए ढंग से जानी-पहचानी जा रही है। इसके फलस्वरूप शिक्षक की औपचारिक भूमिका और व्याप्ति का क्षेत्र अतीत की तुलना में वर्तमान में नए-नए आयाम प्राप्त कर रहा है। इन सबके बीच अभी भी अध्यापक अपने गुणों, कार्यों और व्यवहार से छात्रों को प्रभावित कर रहा है और उसी के आधार पर भविष्य के समाज एवं देश के भाग्य को भी रच रहा है। एक अध्यापक को समाज ने अधिकार दिया है कि वह अपने छात्र के जीवन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हस्तक्षेप करे, विद्यार्थियों को भविष्य के सपने दिखाए और उनमें निहित क्षमता को समृद्ध कर उन सपनों को साकार करने के लिए तैयार करे। ऐसा करते हुए वह मूल्यों और मनोवृत्तियों को भी गढ़ता है। वशिष्ठ, चाणक्य, रवींद्रनाथ टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, सर्वपल्ली राधाकृष्णन आदि के स्मरण से मन में गुरु की आदर्श और तेजस्वी छवि बनती है। ज्ञात हो कि राधाकृष्णन की जन्मतिथि पर ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है।

शिक्षा के परिसर में अध्यापक के व्यवहार के जो नैतिक और आचारगत परिणाम होते हैं, वे समाज की नैतिक परिपक्वता और विवेक को निश्चित करते हैं। इसीलिए अध्यापक को जांचने-परखने के लिए ऊंची कसौटी और मानक तय किए जाते हैं, जिन्हें दूसरे व्यवसाय के लोग आसानी से नहीं स्वीकारते। अध्यापकों से नैतिक गुणों की अपेक्षा होती है। उनसे आशा की जाती है कि वे अपने आचरण में उचित और अनुचित का विवेक करेंगे। योग्यता, कुशलता और गुणवत्ता उनके व्यवहार से झलकेगी। वे प्रतिबद्धता, काम के प्रति समर्पण, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पूर्वाग्रहमुक्त आचरण की मिसाल प्रस्तुत करेंगे। शिक्षक की गुणवत्ता विद्यार्थी की सफलता का सबसे प्रमुख आधार होता है। ऐसा सोच कर अभिभावक अपने मन में अध्यापक और गुरु के प्रति सहज सम्मान का भाव रखता रहा है।

पहले एक गुरु मानसिक और व्यावहारिक रूप से दूसरों की भलाई करने वाले और भविष्य का नजरिया रखने वाले इंसान के रूप में प्रतिष्ठित था। वह माता-पिता से कम महत्व का न था। वह विद्यार्थी का प्रेरणास्रोत और ऐसा हितैषी था, जो उसे सत्पथ पर जाने की राह दिखाता था। उनमें चरित्र निर्माण करते हुए एक अच्छा मनुष्य और देश का अच्छा नागरिक बनाना उसका कर्तव्य था।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

सपा महाराष्ट्र प्रदेश सचिव पद पर रियाज आजमी की नियुक्ति, भिवंडी पश्चिम के पर्यवेक्षक बने

मुस्तकीम खान संवाददाता

भिवंडी : समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने सपा नेता रियाज आजमी को पदोन्नति देते हुए महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी का सचिव और भिवंडी पश्चिम विधान सभा का पर्यवेक्षक नियुक्त करते हुए आज अपराह्न मुंबई में उन्हें पत्र दिया है। उन्हें प्रदेश कमेटी में शामिल किए जाने से उनके समर्थकों में हर्ष का माहौल है। भिवंडी शहर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष रहते हुए शहर की राजनीति में सपा को एक अहम भूमिका में लाने वाले रियाज आजमी को दी जाने वाली इस पदोन्नति के कई सियासी मतलब निकाले जा रहे हैं ।पार्टी के विश्वस्त सूत्रों की माने तो अबु आजमी की नजर भिवंडी पश्चिम विधान सभा पर है और वह रियाज आजमी को इस सीट से चुनाव लड़ाने का पूरा मन बना चुके हैं । पिछले कई महीनों से पश्चिम विधान सभा सीट पर पार्टी स्थानीय लोगों सामाजिक कार्यकताओं समेत पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है अबु आजमी भी इस क्षेत्र में पार्टी के होने वाले कई कार्यक्रम में शामिल हो चुके है, अभी से इस बात की चर्चा जोर शोर से होनी शुरू हो गई थी कि समाजवादी पार्टी आगामी विधान सभा चुनाव में इस सीट पर ताल ठोंक सकती है, साथ ही कई महीनों से वो इस सीट पर पार्टी की भूमिका और जीत का ब्लू प्रिंट तैयार करने में जुटे है

। सोमवार को रियाज आजमी को दी जाने वाली पदोन्नति और उनके इस विधान सभा सीट का पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने से उनके चुनावी समर में उतरना लगभग तय माना जा रहा है। भिवंडी समाजवादी पार्टी पश्चिम समेत शहर भर के कार्यकताओं और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है ।

रांकापा की ओर से मानखुर्द पीएमजी कॉलोनी में जाहिर निषेध आंदोलन

मुंबई(फिरोज सिद्दीकी) मराठा आंदोलन को लेकर दो दिन पूर्व हुए महाराष्ट्र के जालना में हुए पोलिस के लाठी चार्ज के विरोध में आज निषेधअर्थ आंदोलन का आयोजन किया गया । राकांपा सचिव आयूब शेकासन ने आंदोलन में कहा की मराठा सामाज के आंदोलन को लेकर राज्य की एकनाथ शिंदे, बीजेपी गठबंधन मराठाओ के विरोध में पोलिस बल के जरिए तानशाही रवैया अपनाये हुए है । राकांपा आंदोलनकारियों ने राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नारे लगाकर इस्तीफे की मांग किया । ईशान्य मुंबई जिलाधक्ष इरफान दिवटे ने राज्य की एकनाथ शिंदे , देवेंद्र फडणवीस का इस्तीफे की मांग किया । इसी के साथ मुंबईकरी जनता से इस तानशाह सरकार का जाहिर निषेध करने का आवाहन किया ।

मराठाओं के आंदोलन के विरोधी सरकार के खिलाफ राकांपा प्रदेश सचिव मुबारख खान ने भी जमकर हमला बोलते हुए पोलिस अमानवीय तरीके से लिए गए लाठी चार्ज किया गया का जाहिर निषेध किया । मानखुर्द-शिवाजीनगर रांकापा तालुका अधक्ष्य नसीम खान ने बड़ी ही भव्य तरीके से निषेध आंदोलन का आयोजन किया

। जिसमे बड़ी संख्या में स्थानीय जनता समेत रांकापा कार्यकर्ता पदाधिकारीगण शामिल हुए ।

उपरोक्त आंदोलन को सफल बनाने के लिए प्रदेश राकांपा सचिव मुबारख खान ,मुंबई साचिव आयूब शेकासन , ईशान्य मुंबई राकांपा जिला अधक्ष्य इरफान दिवटे ,आंदोलन के आयोजक रांकापा तालुका अधक्ष्य नसीम खान ने बड़ी हीं बेबाकी से राज्य सरकार की बीजेपी गठबंधन सरकार केविरोध में जमकर नारे लगाएं। इतना ही नहीं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता , महिला पदाधिकारी उपस्थित थी ।

मुंबई/ रजिस्टर्ड आवासीय परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित रेटिंग सिस्टम को अंतिम मंजूरी...

मुंबई : जनवरी २०२३ के बाद रजिस्टर्ड आवासीय परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित रेटिंग सिस्टम को अंतिम मंजूरी दे दी गई है। महारेरा वेबसाइट पर हर ६ महीने में जारी होने वाली रेटिंग अप्रैल २०२४ से शुरू होने की उम्मीद है। इस रेटिंग को महारेरा रेटिंग टेबल के नाम से जाना जाएगा। डेवलपर्स से महरेरा के पास आने वाली जानकारी के आधार पर यह रेटिंग महरेरा के प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्वचालित रूप से निर्धारित की जाएगी। इस शर्त के तहत परियोजनाओं की रेटिंग निर्धारित करने के लिए महरेरा देश का पहला ऑथॉरिटी है। महारेरा पहले परियोजना और फिर प्रमोटर को रेटिंग देने का प्रयास करेगा। इसे 'महारेरा ग्रेडिंग मैट्रिक्स' के नाम से जाना जाएगा और रेटिंग डेवलपर्स द्वारा नियामक को दी गई जानकारी के आधार पर जारी की जाएगी। सबसे पहले परियोजनाओं की रेटिंग की जाएगी, फिर प्रमोटरों की। इसके अलावा रेटिंग निर्धारित करते समय विभिन्न कारकों को ध्यान में रखा जाएगा। यह परियोजना की वित्तीय व्यवहार्यता, सक्षम अधिकारियों से तकनीकी मंजूरी, परियोजना पर चल रही मुकदमेबाजी आदि को भी देखेगा।

यह मूल्यांकन दो चरणों में किया जाएगा। परियोजना की वस्तुनिष्ठ जानकारी पहले चरण में जारी होने की उम्मीद है, जिसमें परियोजना विवरण, स्थान, डेवलपर, सुविधाएं आदि शामिल होंगी। तकनीकी विवरण में प्रारंभ प्रमाणपत्र, त्रैमासिक और वार्षिक अनुपालन रिपोर्ट, परियोजना की स्थिति, आदि शामिल हैं। इसके अलावा वित्तीय विवरण जैसे वित्तीय बोझ, परियोजना की वित्तीय प्रगति, वार्षिक ऑडिट प्रमाण पत्र और मुकदमेबाजी पर भी विचार किया जाएगा।

केमिकल से चांदी बनाने की जानकारी नहीं देने की वजह से हत्या

पालघर : १ जून से गायब एक व्यापारी अपने घर नहीं लौटा था, पुलिस उसकी गुमशुदगी की तलाश कर रही थी। पालघर जिला यानी अधिकतर ग्रामीण भाग और खूबसूरत वादियों वाला जंगल पालघर तालुका के पालघर स्थित चिंटू पाडा जंगल में एक जली हुई गाड़ी में जले हुए मानव शव ने पालघर पुलिस की नींद उड़ा दी। कार में पड़ी हुई लाश ९० प्रतिशत जल चुकी थी, जिसके कारण शव की पहचान करना मुश्किल था। पुलिस ने जांच शुरू की तो वैगन-आर कार नंबर के आधार पर पता चला कि वह गाड़ी एक सोने के व्यापारी की है। कार के नंबर प्लेट से पता चला कि कार बोइसर चित्रालय के इलेक्ट्रिक ठेकेदार नरेंद्र पटेल की है। नरेंद्र पटेल १ जून से गायब थे। घटनास्थल पर पहुंचे नरेंद्र के रिश्तेदारों का कहना था कि वो १ जून को काम के लिए घर से बाहर निकले थे। उसी दिन रात सात बजे उन्होंने अपनी लड़की से आखिरी बार बात की थी। उसके बाद उनसे किसी भी प्रकार का संपर्क नहीं हो पाया है। उसके बाद चिंटू पाडा के जंगल में नरेंद्र पटेल की लाश मिली। पोस्टमार्टम में पता चला कि उक्त गाड़ी में लाश जलने के समय कितने मोबाइल एक्टिव थे। उसका डंप डाटा से छानबीन कर पुलिस ने कक्कड़ और राजी भटकर नामक दो लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन दोनों ने बताया कि नरेंद्र पटेल को केमिकल से चांदी बनाने की कला आती थी। नरेंद्र पटेल की हत्या केमिकल से चांदी बनाने की जानकारी नहीं देने की वजह से की गई। उन दोनों ने बताया कि नरेंद्र से चांदी बनाने की तरकीब पूछा तो उन्होंने बताने से इनकार कर दिया।

महिला ने मुंबई पुलिस को फोन कर दी बम लगाने की धमकी, 38 बार कॉल करके दी जानकारी

मुंबई : महाराष्ट्र की एक महिला ने मुंबई पुलिस को फर्जी कॉल करके नेपियन सी रोड पर बम लगाने की धमकी दी। महिला ने करीब 38 बार पुलिस को बम लगाने की फर्जी जानकारी दी है। जांच के दौरान पुलिस को कमाठीपुरा में बम होने की सूचना मिली। हालांकि, घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस को कुछ भी हासिल नहीं हुआ।

पत्नी को पैसों के लिए परेशान करने पर पती समेत घरवालों पर मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक महिला को परेशान करने के आरोप में उसके 40 वर्षीय पति, व्यक्ति के माता-पिता और चार अन्य सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। व्यक्ति और उसका परिवार भिवंडी क्षेत्र के अमपाड़ा के निवासी हैं, उनपर 35 वर्षीय महिला से पैसे की मांग करने का आरोप लगा है। महिला ने जब उनकी बात मानने से इनकार किया तो वे उसे परेशान करने लगे। शांति नगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि महिला ने यह भी बताया कि उसके पति ने किसी अन्य महिला से शादी भी की। व्यक्ति ने अपनी पहली पत्नी से हुई बेटी को भी मानने से इनकार कर दिया। महिला ने आगे बताया कि उसके चरित्र पर संदेह करते हुए व्यक्ति ने अपनी बेटी और खुद का डीएनए टेस्ट भी करवाने गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रविवार को व्यक्ति और परिवार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 498(ं) (पत्नी के साथ क्रूरता करना), 494(पहली पत्नी से तलाक लिए बिना दूसरी शादी करना), 323(स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 504(शांतिभंग करने के इरादे से जानबूझ कर अपमान करना) और 34(सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र देने का रास्ता तलाश रही है राज्य सरकार

महाराष्ट्र के जालना जिले में मराठा प्रदर्शनकारियो पर लाठीचार्ज से उपजे आक्रोश को ठंडा करने में जुटी राज्य सरकार मराठा समुदाय को कुनबी मराठा का प्रमाणपत्र जारी करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसके लिए गठित की गई उच्चस्तरीय समिति के माध्यम से नया रास्ता तलाशा जा रहा है। समिति 1950 के दशक के अभिलेखों को खंगालेगी और यह पता लगाएगी की क्या निजाम शासनकाल के दौरान मराठवाड़ा के कुनबी मराठा पिछड़ी जाति थी।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की उपसमिति की बैठक में अपर मुख्य सचिव (राजस्व) की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई जो निजाम शासनकाल के समय के जमीदारो के फरमान, मराठा समाज के कागजात और वंशावली का अध्ययन करेगी। हालांकि इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी पिछड़ा आयोग के माध्यम से मराठा समुदाय को पिछड़ा बताकर आरक्षण देने की कोशिश की थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि मराठा समुदाय पिछड़ा नही है।

दरअसल आजादी के समय जो मराठा महाराष्ट्र ने थे उनमें से ज्यादातर लोगों को कुनबी मराठा का आरक्षण है। खासतौर से कोकण में, लेकिन उस समय मराठवाड़ा के 8 जिले हैदराबाद के अधीन थे। 17 सितंबर 1948 को मराठवाड़ा निजाम शासन से मुक्त हुआ था। उसके वाद मराठवाड़ा को महारष्ट्र में शामिल किया गया था। इसलिए मराठवाड़ा के मराठों को कुनबी मराठा का दर्जा नहीं मिला। -जालना जिले के सरोटी गाव में धरने पर बैठे मनोज जरांडे पाटिल का कहना है कि जब मराठवाड़ा हैदराबाद के निजाम शासन के अधीन था तब कुनबी मराठों को पिछड़ी जाति में गिना जाता था। इसलिए उन्हें कुनबी जाति का प्रमाणपत्र दिया जाए और इसके लिए शासनादेश जारी हो।

मराठा आंदोलन से 10 करोड़ का नुकसान

महाराष्ट्र के जालना में लाठीचार्ज की घटना के बाद बीते तीन दिनों में महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) की 19 बसों में तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई है। इसके अलावा कई प्राइवेट वाहन भी छतिग्रस्त कर दिए गए और गोदाम को भी आग के हवाले किया गया। इससे करीब 10 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। सोमवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि मराठा आंदोलन से करीब 10 करोड़ का नुकसान हुआ है। यह नुकसान राज्य का हुआ है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि मंत्रालय से फोन जाने के बाद लाठीचार्ज हुआ। अजित पवार ने विपक्ष को चुनौती दी कि यदि वे साबित कर दे कि हम तीनों (मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और अजित पवार) में से अगर कोई भी लाठीचार्ज का आदेश दिया हो तो राजनीति से सन्यास ले लेंगे और उन्हें भी ऐसा करना होगा। उन्होंने ने मराठा समाज से अपील की कि शांति बनाए रखे। सरकार मराठा आरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

वहीं, राज्य परिवहन निगम के अधिकारियों ने बताया कि एसटी निगम को 4 करोड़ से अधिक रुपये का नुकसान हुआ है। दूसरी ओर 19 से अधिक कार और अनाज के गोदाम जलाने की घटना हुई है। पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में जालना, औरंगाबाद आदि कई जिलों में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए कई बस डिपो में बस सेवा बंद कर दी गई।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के कारण 46 बस डिपो बंद!

निगम को करोड़ों का नुकसान...

मुंबई : मराठा समुदाय के लिए आरक्षण को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के कारण महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के 250 में से कम से कम 46 बस डिपो पूरी तरह से बंद पड़े है और पिछले दिन दिनों निगम को 13.25 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. एक प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया कि विरोध प्रदर्शन के कारण अहमदनगर, औरंगाबाद, परभणी, हिंगोली, जालना, नांदेड और धाराशिव जिलों में बस परिचालन बुरी तरह प्रभावित है. उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में विरोध प्रदर्शन के दौरान 20 बसें जला दी गईं और 19 क्षतिग्रस्त हो गईं.

अधिकारी ने क्या बताया?

वहीं अधिकारी ने बताया कि बसों के क्षतिग्रस्त होने से निगम को 5.25 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन के कारण टिकटों की बिक्री में आठ करोड़ रुपये की हानि हुई है. एमएसआरटीसी देश के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन निकायों में से एक है, जिसके बेड़े में 15,000 से अधिक बसें हैं. इनकी सेवाओं में प्रतिदिन लगभग 60 लाख लोग यात्रा करते हैं

तलाठी भर्ती परीक्षा 14 सितंबर तक चलेगी

तीसरे सत्र की यह तलाठी भर्ती परीक्षा 14 सितंबर तक चलेगी. जालना में मराठा आरक्षण के लिए मनोज जारांगे पाटिल की भूख हड़ताल भी जारी है. वहीं मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे भी कल जालना गए थे और जारांगे पाटिल से मुलाकात की थी जिसकी तस्वीर भी कल सामने आई थी. बीजेपी नेता पंकजा मुंडे की शिवशक्ति यात्रा शुरू हो चुकी है. इस दौरे के जरिए वह राज्य की जनता से बातचीत करेंगी. आगे जालना लाठीचार्ज की घटना के विरोध में महाविकास अघाड़ी ने भी विरोध जताया है और महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला है. जालना में हुई घटना को लेकर जगह-जगह विरोध जताया जा रहा है.

'गुमराह कर रहे हैं फडणवीस'

मराठा आरक्षण के मुद्दे पर नाना पटोले का बड़ा बयान... बीजेपी पर झूठे वादे का लगाया आरोप

मुंबई : महाराष्ट्र में जारी मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अब कांग्रेस की तरफ से नाना पटोले का बयान सामने आया है. पटोले ने कहा, मुंबई मराठा समुदाय लिए आरक्षण के मुद्दे को बीजेपी सरकार ने ही तूल दिया है. वहीं बीजेपी आरक्षण विरोधी पार्टी है इसलिए उन्हें आरक्षण नहीं देना है. बीजेपी 9 साल से केंद्र की सत्ता में है, लेकिन उन्होंने फैसला नहीं लिया. ऐसा कहते हुए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने मराठा आरक्षण के मामले में फडणवीस पर गुमराह करने का आरोप भी लगाया है. उन्होने कहा कि अगर बीजेपी मराठा समुदाय को आरक्षण देने की सच्ची इच्छा रखती है, तो संसद के विशेष सत्र में आरक्षण पर निर्णय लेकर मराठा समुदाय को न्याय दिया जाना चाहिए.

क्या बोले कांग्रेस नेता नाना पटोले?

नाना पटोले ने कहा कि अगर मराठा समुदाय समेत पिछड़े समुदायों को आरक्षण देना है तो 50 फीसदी की मौजूदा सीमा को भी हटाना होगा. इस सीमा को हटाने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है. केंद्र को यह सीमा हटा देनी चाहिए लेकिन केंद्र की बीजेपी सरकार इस संबंध में कोई निर्णय नहीं ले रही है. मराठा और धनगर समुदाय से झूठे वादे कर बीजेपी सत्ता में आई और उसके बाद उन्होंने इस समुदाय को आरक्षण नहीं दिया. मराठा आरक्षण कानून विधानसभा में तो जल्दबाजी में पास हो गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में भी नहीं टिक सका.

नाना पटोले ने कहा, फडणवीस ने कहा था कि मराठा समुदाय को आरक्षण सिर्फ मैं ही दे सकता हूं, लेकिन सत्ता में आने के डेढ़ साल बाद भी मराठा समुदाय को आरक्षण नहीं दिया गया है. आगे उन्होंने कहा राज्य की त्रिपक्षीय सरकार ने फिर बैठक की और मराठा आरक्षण पर अपना पक्ष रखने की कोशिश की. सरकार ने एक माह का समय मांगा है, और यह समय की बबार्दी है.

'लालबाग के राजा' का कोल्हापुर से है पुराना कनेक्शन... 1980 से चला आ रहा ये खास रिवाज

महाराष्ट्रः सबके आराध्य देव गणपति बप्पा जल्द ही आने वाले हैं. गणेश जी के कुछ रूप या मूर्तियां हमेशा हमारे मन में घर कर जाती हैं. ऐसे ही एक गणेश हैं 'लालबाग के राजा'. मुंबई के लालबाग के राजा का कोल्हापुर से सीधा रिश्ता है. कोल्हापुर के अरविन्द वेदांते गुरुजी कई वर्षों से इस गणराय की पुरोहिती करते आ रहे हैं. यह परंपरा 1980 से चली आ रही है. लालबाग के राजा के मुख्य पुजारी अरविंद वेदांते गुरुजी कोल्हापुर के रहने वाले हैं. उनका पैतृक गांव बहिरेश्वर है. इसलिए वे फुलेवाड़ी में रहते हैं, लेकिन पिछले कई साल से वे हर साल लालबाग के राजा की सेवा के लिए कोल्हापुर से मुंबई जाते रहे हैं.

दरअसल, 'लालबाग के राजा' मुंबई के एकमात्र गणेश हैं, जिनके नाम से मुंबई के सार्वजनिक गणेशजी मशहूर हैं. इस गणेश जी को सबसे पहले 1934 में मुंबई में कोली बंधुओं द्वारा स्थापित किया गया था. तब उन्हें 'गरमखाद्य के गणपति' के नाम से जाना जाता था, क्योंकि पास में ही एक बड़ा तालाब खोदा गया था और पड़ोस की दिग्विजय मिल के बॉयलर का गर्म पानी उसमें बहा दिया गया था. कुछ समय बाद इसका नाम 'गरमखड़ा न्यू मार्केट के गणपति' रख दिया गया, लेकिन व्यापारियों और कोली समुदाय की नजर में वह उनकी हर इच्छा पूरी करने वाले 'राजा' थे. वह दूर-दूर तक प्रसिद्ध थे कि यदि भक्त उनसे मन्नत मांगते थे तो वे उनकी हर इच्छा पूरी कर देते और सच्चे दिल से उन्हें आश्वासन देते कि इच्छा पूरी होने पर वह उसे श्रद्धापूर्वक पूरा करेंगे. इस प्रकार धीरे-धीरे वह 'प्रतिज्ञाओं का राजा' बन गए. मालवण के पटवर्धन भट्टजी को लालबाग के राजा गणेश मंडल ने गणेश पूजा के लिए नियुक्त किया था. उनके बाद अरविंद वेदांते ने 1980 में लालबाग के राजा की पूजा शुरू की. वेदांते उस वक्त पढ़ाई के लिए मुंबई गए हुए थे. वेदांते के पटवर्धन के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे. वेदांते ने भी उनसे शास्त्रों का ज्ञान लिया. पटवर्धन के बाद अरविंद वेदांते ने सार्वजनिक गणेश मंडलों के कार्यकताओं से गणेश पूजा के बारे में पूछा. तब से अरविंद वेदांते लालबाग के राजा के मुख्य पुजारी हैं.

पुणे में 10 लाख की रिश्वत लेते हुए डीन को रंगेहाथ पकड़ा... कमिश्नर को सौंपी रिपोर्ट

पुणे : महाराष्ट्र में आये दिन रिश्वतखोरी और कई तरह के अपराध की खबरें सामने आती है। ऐसे में अब पुणे से रिश्वत का मामला सामने आया है। दरअसल नगर निगम के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज के डॉ. आशीष बनगीनवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। यह मामला सामने आने के बाद अब पुणे नगर निगम द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट आयुक्त को सौंप दी गई है। इस रिश्वत के मामले में डीन को दोषी पाया गया है और अब आगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें मेयर, डिप्टी मेयर, स्थायी समिति अध्यक्ष, सदन के नेता, विपक्ष के नेता, सभी दलों के नेता, आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, स्वास्थ्य प्रमुख, कॉलेज प्राचार्य, सिटी इंजीनियर, कानूनी सलाहकार शामिल हैं। हालांकि, वर्तमान में पुणे नगर निगम हॉल मौजूद नहीं है। इसलिए इस ट्रस्ट पर फिलहाल सिर्फ प्रशासनिक अधिकारी ही हैं। इस बारे में खबर सामने आई है कि नगर निगम के अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए मैनेजमेंट कोटे की 15 सीटें हैं। एक साल के लिए नियमानुसार 7 लाख रुपये फीस। लेकिन आपको बता दें कि मैनेजमेंट कोटा के लिए नियमित फीस से तीन गुना 21 लाख रुपये वसूले जाते हैं। अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) से 35 लाख रुपये की नियमित फीस का पांच गुना शुल्क लिया जाता है। लेकिन, यह दिखावा किया जा रहा था कि नियमित प्रबंधन कोटे से प्रवेश लेने वालों को एनआरआई कोटे से प्रवेश लेना होगा। इसलिए कहा गया कि पांच साल में 60 से 80 लाख रुपये अतिरिक्त फीस देनी होगी।

इस पर समझौता कर 60 लाख की जगह 16 से 20 लाख रुपये की मांग की गयी। प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए संस्थान स्तर पर प्रस्तावित 15 सीटों पर प्रवेश के दौरान अभिभावकों से लाखों रुपये की रिश्वत लेने के मामले में यह कार्रवाई की गई। इस मामले में पुणे नगर निगम सतर्कता समिति के अध्यक्ष महेश पाटिल, स्वास्थ्य प्रमुख डॉ. सामान्य प्रशासन विभाग के उपायुक्त भगवान पवार, सचिन इथापे ने समिति की नियुक्ति की। समिति ने रिपोर्ट सौंपने के लिए समय बढ़ाने की मांग की थी। उसके अनुसार, समिति ने आज अपनी रिपोर्ट आयुक्त विक्रम कुमार को सौंप दी। कमिश्नर विक्रम कुमार ने कहा कि डीन दोषी पाए गए हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में अब यह देखना होगा कि डीन को अब कोनसी सजा सुनाई जाती है।

ठाणे में पत्नी का उत्पीड़न, पति सहित 6 अन्य परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पत्नी का उत्पीड़न करने के आरोप में 40 वर्षीय एक व्यक्ति, उसके माता-पिता और परिवार के अन्य चार सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शांति नगर पुलिस थाने एक अधिकारी ने प्राथमिकी के हवाले से बताया कि भिवंडी इलाके के अम्पाड़ा का रहने वाला व्यक्ति और उसका परिवार 35 वर्षीय महिला से पैसों की मांग कर रहा था। महिला ने अपने माता-पिता से पैसे लेने से मना कर दिया। इसके बाद उसे लगातार उत्पीड़न और क्रूरता का शिकार होना पड़ा। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके पति ने दूसरी शादी भी की हुई है। पुलिस ने शिकायत के हवाले से बताया कि आरोपी ने पहली पत्नी (शिकायतकर्ता) के चरित्र पर संदेह करते हुए अपनी बेटी को भी छोड़ दिया और उसने अपनी बेटी का तथा स्वयं का डीएनए परीक्षण भी कराया था।

मराठा आरक्षण पर महाराष्ट्र में 'हल्ला बोल' जारी, राज ठाकरे ने दिया ये बड़ा बयान

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र का एक हिस्सा मराठा आरक्षण की आग में झुलस रहा है. आंदोलन जारी है. कुछ लोगों का कहना है कि मराठा आरक्षण पर 'सियासी पर्यटन' हो रहा है. इस मामले को लेकर आज सीएम एकनाथ शिंदे ने अहम बैठक बुलाई. वहीं आज महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे जालना पहुंचे और उन्होंने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात के बाद लोगों को संयम बरतने की अपील की है. राज ठाकरे ने कहा, 'इस मामले में मुझे कुछ बातें बताई गई हैं इसलिए मैं जल्द से जल्द मुख्यमंत्री से मुलाकात करूंगा. इस मामले को किस तरह सिर्फ देखा जा रहा है मैं अभी इस बारे में आप लोगों को कुछ नहीं बता सकता. मैं आप लोगों से झूठ नहीं बोल सकता. मैं आपको कोई झूठी आशा नहीं दिखाने वाला, ये मैं नहीं कर सकता.' अपने संबोधन में राज ठाकरे ने कहा, 'इस मामले को लेकर वो सीएम शिंदे से बात करेंगे.

राजनेता आप पर ध्यान नहीं देंगे. मैं अभी लोगों को बता रहा था, मराठा समाज को आरक्षण मिलने वाला नहीं है, यह सभी राजनेता आपका का उपयोग कर लेंगे, लेकिन आप पर ध्यान नहीं देंगे. मराठा आरक्षण का मुद्दा अभी कोर्ट में है, आप इस बात को भी समझिए. यह आपको आरक्षण की लालच दिखाकर इस पक्ष से उसे पक्ष में..सत्ता में आने के बाद आप पर ही गोलियां चलाएंगे. आप इसके लिए पुलिस को दोष मत दीजिए, पुलिस को जिसने आदेश दिया उसे दोष दो. पुलिस क्या करेगी ये तो आपके और मेरे जैसी है,'

जान जोखिम में मत डालिएः राज ठाकरे

राज ठाकरे ने कहा, 'समंदर में छत्रपति शिवाजी महाराज का पुतला खड़ा करेंगे इसी पुतले के नाम पर आपका वोट मांगा गया था. 2007 या 2008 में यह विषय उठा था. ये लोग पुतले के नाम पर आरक्षण के नाम पर आपका वोट ले लेंगे और सत्ता में आने के बाद आपको छोड़ देंगे. मैं आज आप लोगों के सामने विनती करने आया हूं. देवेंद्र फडणवीस ने कहा इस मुद्दे को लेकर राजनीति मत करिए अरे वाह! अगर विरोधी पक्ष में होते तो यही राजनिति करते. जिस तरह का वीडियो मैंने देखा, जिस तरह से मेरे माताओं-बहनों के ऊपर लाठियां चल रही थी. ऐसे लोगों के लिए जान जोखिम में मत डालिए उन्हें फर्क नहीं पड़ता लेकिन हमारे लिए महत्वपूर्ण है आज कोई इलेक्शन नहीं हो रहा है.

कांग्रेस नेता वडेट्टीवार की बड़ी मांग

बोले- मराठा समुदाय के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था पर हो जोर

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने मंगलवार को कहा कि मराठों को अलग से आरक्षण दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए मौजूदा आरक्षण को मराठा समुदाय के साथ बांटने के खिलाफ हैं। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में वडेट्टीवार ने कहा कि वह मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए इसकी सीमा बढ़ाने के सुझाव के खिलाफ नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''मराठा समुदाय के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था की जा सकती है। हालांकि, मैं ओबीसी के लिए मौजूदा आरक्षण को मराठा समुदाय के साथ साझा करने के खिलाफ हूं।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शिक्षा तथा नौकरियों में आरक्षण देने की मराठा समुदाय की मांग पूरी करने के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ा सकती है।

उन्होंने कहा, ''मराठा समुदाय की कुनबी जाति के प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रियाओं में समय बर्बाद करने के बजाय महाराष्ट्र सरकार को आरक्षण की सीमा बढ़ानी चाहिए और मराठा समुदाय को उसमें जगह देनी चाहिए।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया कि पूर्ववर्ती महा विकास आघाडी सरकार ने मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। इस पर वडेट्टीवार ने कहा, ''फडणवीस और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का मराठा आरक्षण के मुद्दे पर विरोधाभासी रुख है। यह साफ तौर पर लोगों को धोखा देने तथा उन्हें गुमराह करने का प्रयास है।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठों को कैसे कुनबी जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाए, इसे लेकर समिति एक महीने के भीतर रिपोर्ट देगी।

इस पर वडेट्टीवार ने कहा, ''30 दिन भूल जाइए, अगर राज्य सरकार 30 महीने भी लेती है तो इस तरह का आरक्षण नहीं दिया जा सकता। राज्य सरकार पिछले सप्ताह जालना में मराठा आरक्षण के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस के बल प्रयोग के बाद लोगों के बीच उठे आक्रोश को दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की तर्ज पर मराठों के लिए अलग से आरक्षण दे सकती है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 06 सितंबर 2023

हर वॉर्ड में मनपा शुरू करेगी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 'सीबीएसई' बोर्ड के स्कूल

मुंबई : मनपा अत्याधुनिक क्लास, कंप्यूटर, व्यायामशाला, काउंसलिंग, सभागार, योग प्रशिक्षण, प्रयोगशाला, भाषा व मीडिया अध्ययन क्लास सहित विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 'सीबीएसई' बोर्ड के स्कूल हर वॉर्ड में शुरू करेगी। अब तक मनपा के 'सीबीएसई' बोर्ड के कुल १४ स्कूल मुंबई में अलग-अलग क्षेत्रों में शुरू हैं, जिन्हें विद्यार्थियों और अभिभावकों की तरफ से अच्छा प्रतिसाद मिला है। इस सफलता के बाद मनपा ने इसे अब हर वॉर्ड में शुरू करने का फैसला किया है। इस तरह की जानकारी शिक्षा सह आयुक्त डी. गंगाधरन ने दी। मुंबई मनपा के माध्यम से १०वीं तक के स्कूल चलाए जाते हैं। विद्यार्थियों को २७ स्कूली सामान निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। मनपा स्कूलों में १२१४ डिजिटल क्लास चल रहे हैं। इन स्कूलों में ई-वाचनालय, व्यवसाय मार्गदर्शन शिविर, बाल महोत्सव, नुक्कड़ नाटक, पिकनिक, शैक्षणिक महोत्सव, संगीत प्रतियोगिता, पद्य प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियां बच्चों की गुणवत्ता में वृद्धि कर रही हैं। हालांकि, इस बीच अभिभावकों का रुझान अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की ओर होने से अन्य माध्यमों के विद्यार्थियों की संख्या कम हो रही है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के माता-पिता के पास खर्च वहन करने की ताकत न होने के बावजूद वैश्वीकरण में जीवित रहने और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड स्कूलों में एडमिशन करा रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए मुंबई मनपा ने 'सीबीएसई' बोर्ड स्कूल शुरू करने का पैठसला किया है। मुंबई मनपा सीबीएसई बोर्ड स्कूल शुरू करनेवाला देश का पहला मनपा बन गया है। इन स्कूलों में किंडरगार्टन से ६वीं तक बैच शुरू की जाएगी।

शिव शक्ति परिक्रमा यात्रा पर निकलीं पंकजा मुंडे...

नापेंगी अपनी सियासी थाह या फिर दे रहीं संदेश?

मुंबई : बीजेपी नेता पंकजा मुंडे की 'शिव शक्ति परिक्रमा यात्रा' आज से शुरू हो गई है. यह यात्रा प्रदेश के कई जिलों से होकर गुजरेगी. इसके जरिए पंकजा मुंडे आठ दिनों तक राज्य के कुछ जिलों को कवर करेंगी. विभिन्न धार्मिक स्थलों और शक्तिपीठों के दर्शन करेंगी. वह जनता से संवाद भी करेंगी. पंकजा मुंडे की यह यात्रा दिवंगत बीजेपी नेता गोपीनाथ मुंडे द्वारा निकाली गई यात्रा की याद आ गई है.

गोपीनाथ मुंडे ने 1994 में 'संघर्ष यात्रा' निकाली थी. इसके बाद राज्य में कांग्रेस की सरकार चली गई. बहरहाल, क्या पंकजा मुंडे की 'शिवशक्ति परिक्रमा' राजनीतिक अस्तित्व की तलाश है? ऐसी चर्चा भी शुरू हो गई है. आज इस यात्रा का पहला दिन है. औरंगाबाद में संत भगवानबाब मंदिर में दर्शन कर पंकजा मुंडे ने 'परिक्रमा यात्रा' शुरू की. इस मौके पर उन्होंने मंदिर में आरती भी की. उन्होंने वेरुल में घृष्णेश्वर महादेव के भी दर्शन किए.

4-11 सितंबर तक चलेगी पंकजा मुंडे की यात्रा

आज वह औरंगाबाद से नासिक तक का सफर तय करने वाली हैं. पंकजा मुंडे की परिक्रमा 4 सितंबर से 11 सितंबर तक चलेगी. इस दौरान वे पांच हजार किलोमीटर की यात्रा करेंगी. इस समय वह ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ के दर्शन करेंगी. पंकजा मुंडे ने कहा कि, 'यह परिक्रमा इसलिए की जा रही है, ताकि शिव की शक्ति और मेरी शक्ति दोनों का दर्शन हो सके. आज भगवान बाबा की जयंती है. मैं भगवान बाबा को प्रणाम करके यह परिक्रमा कर रही हूं. आज मेरे पिता जी मेरे साथ नहीं हैं, भगवान बाबा भी नहीं हैं. मेरे पिता जहां भी होंगे, मुझे आशीर्वाद देंगे.'

यात्रा से पहले पंकजा मुंडे ने पिता को किया याद

पंकजा मुंडे ने कहा कि 'मेरी एक परिक्रमा है जिस पर मुंडे साहब (गोपीनाथ मुंडे) को भी गर्व होगा.' उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश भक्ति और शक्ति का स्थान है. अगर अहिल्याबाई ने मंदिरों का जीर्णोद्धार न कराया होता तो आज हमें दर्शन नहीं होते. उन्होंने करहा कि, 'मैं एक राजनीतिक व्यक्ति हूं. इसलिए मेरी यात्रा को राजनीतिक नजरिए से देखा जाएगा.' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस दौरे में पार्टी का कोई एजेंडा नहीं है. पंकजा मुंडे ने मराठा आरक्षण पर भी टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि इस स्थिति पर वह नजर बनाए हुई हैं. विचार-विमर्श कर उचित निर्णय लिया जाना चाहिए. लाठीचार्ज मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि हमारी पुरानी मांग है कि ओबीसी आरक्षण की भूमिका तय करते समय मराठा आरक्षण के बारे में भी सोचना चाहिए. शासकों को माता और पिता की भूमिका निभानी चाहिए. प्रदर्शनकारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि ओबीसी और मराठा आरक्षण अलग-अलग है.

राजनीतिक अस्तित्व की तलाश में पंकजा मुंडे?

पंकजा मुंडे ने अपील की है कि उनके दौरे को राजनीतिक नजरिए से न देखा जाए. वैसे भी राज्य का राजनीतिक समीकरण बदल गया है और पंकजा मुंडे के राजनीतिक अस्तित्व पर सवाल खड़ा हो गया है. एनसीपी के एक समूह ने बीजेपी से हाथ मिला लिया है. धनंजय मुंडे भी सत्ता में हैं. संभावना है कि पंकजा मुंडे को परली से विस्थापित होना पड़ेगा. अब खोई हुई राजनीतिक जमीन को पंकजा मुंडे हासिल करने की कोशिश कर रही हैं. यह 'परिक्रमा यात्रा' भी मुंडे की शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा है.

कलवा में चोरी और तोड़फोड़ की घटना से दहशत का माहौल, पुलिस से नहीं डरते अपराधी !

ठाणे : मुंबई से सटे ठाणे के कलवा इलाके में इन दिनों अपराध चरम पर पहुंच गया है। चोरी, तोड़फोड़ और गुंडागर्दी की बढ़ती वारदात की वजह से लोगों में दहशत का माहौल है। हाल ही में अपराधियों ने 6 ऑटो रिक्शा को अपना निशाना बनाया। अपराधियों ने रिक्शा के कांच तोड़ दिए। तोड़फोड़ की इन घटनाओं की वजह से रिक्शा चालकों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। अपराधी इतने बैखौफ है कि इन्हें पुलिस प्रशासन का भी डर नहीं है। रिक्शा चालकों ने ठाणे पुलिस कमिश्नर से ऐसे अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार यह घटना कलवा के मनीषा नगर की है। रात के समय अचानक किसी ने 6 ऑटो रिक्शा के कांच को फोड़ दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं इलाके में घटती रहती है।

गिरधारी लाल पाल ने बताया कि एक साल पहले हमारा रिक्शा चोरी हुआ था। अभी तक मिला नहीं है। अपराधी इतने बेखौफ हैं कि कभी बंद दुकानों का ताला तोड़कर दुकानों में रखे पैसे समान चुरा लेते हैं । कभी कार का कांच तोड़ देते हैं। गाड़ी का टायर खोल लेते हैं । गाड़ी में बैठकर शराब पीते फिर नुकसान करते हैं । अगर उन लोगों को रोकने की कोशिश की तो गाली गलौज और मारपीट करने लगते हैं। इसलिए डर से लोग कुछ नहीं बोलते हैं । आदमी गाड़ी का काम करा कर परेशान हो गया है। इससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। सीसीटीवी भी लगभग दस दिनों से बंद पड़ा हुआ है। नागमणी जायसवालने बताया कि यह कांच तोड़ने की तीसरी घटना है। तोड़फोड़ की घटना को अपराधी तड़के तीन-चार बजे अंजाम देते हैं। इलाके में हो रही इस तरह की गुंडागर्दी से लोगों में डर का माहौल बना गया है। ऐसे में लोगों को पुलिस प्रशासन से बड़ी उम्मीद है। लेकिन पुलिस से बेखौफ अपराधियों का हौंसला बता रहा है कि इन्हे पुलिस से रत्ती भर का भी डर नहीं है। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस कमिश्नर से अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल कलवा पुलिस मामले को दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

हत्या के आरोप में फरार, सात साल बाद उत्तर प्रदेश के चित्रकूट से गिरफ्तार

मुंबई : किसी ने सही कहा है कि गुनाह चाहे कितना भी पुराना हो, छुपाने से नहीं छुपता। २८ साल के शिवबाबू निषाद के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है। २०१६ में आरोपी ने एक व्यक्ति के साथ लूटपाट करने के बाद हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव को बोरे में भरकर नालासोपारा में फेंक दिया था। उस हत्या मामले के आरोप में फरार शिवबाबू को पूरे सात साल बाद उत्तर प्रदेश के चित्रकूट से गिरफ्तार किया गया है। निषाद की गिरफ्तारी उसके दाहिने हाथ पर बने टैटू और २०१३ की पुरानी तस्वीर की मदद से हुई है। उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

बता दें कि १८ मार्च २०१६ को नालासोपारा में २१ वर्षीय सुभाषचंद्र का सामान चोरी कर उसका गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद शव को नालासोपारा में एक बोरे में भरकर फेंक दी गई थी। इस हत्या का आरोप शिवबाबू निषाद पर था। आरोप था कि उसने सुभाषचंद्र का सामान चोरी किया फिर उसकी हत्या करके शव को फेंक दिया। उस समय निषाद के जिन साथियों को गिरफ्तार किया गया था उनके नाम-रवि दांगुर, अभिजीत मिश्रा है। इसके अलावा एक लड़के का नाम शामिल है, जो हत्या के समय नाबालिग था। फिलहाल, वो बेल पर बाहर है। मुख्य आरोपी निषाद ने जिस समय इस घटना को अंजाम दिया था, उस समय उसकी उम्र केवल २० साल थी। उस समय 'शिव भैय्या' नाम से उसकी पहचान हुई थी। तुलिंज पुलिस ठाणे में केस दर्ज हुआ था। हालांकि, उस समय वो बच गया था क्योंकि पुलिस को उसके ठिकाने का पता नहीं लग पाया था। पेंडिंग केस की छानबीन करने के दौरान वसई क्राइम ब्रांच को पता चला कि आरोपी यूपी में है। इसके बाद पुलिस ने उसकी जानकारी निकाली। इस दौरान पुलिस को उसकी सात साल पुरानी तस्वीर मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने उसकी तलाशी शुरू की। मामले की जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक साहूराज रणवरे ने बताया कि पुलिस के पास जो पुरानी तस्वीर थी, उसमें ये साफ दिख रहा था कि निषाद के दाहिने हाथ पर उसके नाम का टैटू था और हाथ पर सितारे बने हुए थे। जांच के दौरान पता चला कि निषाद अपने हाथ से टैटू को हटा दिया था, लेकिन हाथ पर जो सितारे बने थे, वो अब भी मौजूद थे। इन्हीं तीन सितारों ने निषाद की पहचान करा दी और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान निषाद ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया और बताया कि उसने ये कत्ल २०१६ में किया था। उसे गिरफ्तार कर तुलिंज पुलिस के हवाले कर दिया गया है। अब पुलिस इस मामले में पहले से दाखिल चार्जशीट के आधार पर आरोपी को सजा दिलाने की कोशिश में है।

रेवड़ी कल्चर पर पीएम मोदी ने फिर देश को किया आगाह

थोड़ा सियासी फायदा लेकिन कीमत बड़ी चुकानी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से राजनीतिक दलों की तरफ से रेवड़ी कल्चर को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। पीएम मोदी साफ कहा कि गैर-जिम्मेदाराना वित्तीय और लोकलुभावन नीतियों के अल्पकालिक राजनीतिक परिणाम मिल सकते हैं, लेकिन लंबी अवधि में इसकी बड़ी सामाजिक और आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। पीटीआई को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने कहा कि नौ साल की राजनीतिक स्थिरता के चलते कई सुधार हुए हैं और विकास इसका स्वाभाविक प्रतिफल है। यह पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी ने मुफ्त की घोषणाओं को लेकर बात कही है। पिछले साल अक्टूबर में भी पीएम मोदी ने इस विषय पर अपनी

बात रखी थी। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा था कि करदाता जब देखता है कि उससे वसूले गए रुपयों से मुफ्त की रेवड़ी बांटी जा रही है तो वह दुखी होता है। प्रधानमंत्री का कहना था कि अनेक करदाता मुझे खुलकर चिट्ठी लिख रहे हैं। उनका कहना था कि मुझे इस बात की खुशी है कि एक बड़ा वर्ग रेवड़ी कल्चर से देश को मुक्ति दिलाने के लिए कमर कस रहा है। प्रधानमंत्री ने इस साल कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले भी कहा था कि हमें रेवड़ी कल्चर (मुफ्त की चीजें देने की घोषणा) से मुक्त होना होगा। पीएम ने कहा था कि मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति की वजह से कई राज्य बेतहाशा खर्च कर रहे हैं। वे लोग ऐसा दलगत भलाई के लिए कर रहे हैं।

इसरो ने आदित्य एल-1 को अब अगली कक्षा में भेजा

अब इसकी पृथ्वी से सबसे ज्यादा दूरी 22,459 किमी होगी, 5 सितंबर को फिर ऑर्बिट बढ़ाया जाएगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। इसरो के वैज्ञानिकों ने आज यानी रविवार 3 सितंबर को आदित्य रु स्पेसक्रॉफ्ट की ऑर्बिट बढ़ाई। अब ये पृथ्वी की 245 किमी × 22459 किमी की कक्षा में आ गया है। यानी उसकी पृथ्वी से सबसे कम दूरी 245 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 22459 किमी है। इसरो ने बताया कि अब 5 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे एक बार फिर आदित्य की कक्षा बढ़ाई जाएगी। इसके लिए कुछ देर इंजन फायर करने पड़ेंगे। आदित्य को 2 सितंबर को सुबह 11.50 बजे पीएसएलवी-सी 57 के वी वर्जन रॉकेट के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। लॉन्चिंग के 63 मिनट 19 सेकेंड बाद स्पेसक्राफ्ट को पृथ्वी की 235 किमी × 19500 किमी की कक्षा में स्थापित कर दिया था। करीब 4 महीने बाद यह 15 लाख किमी दूर लैगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा। इस पॉइंट पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते यहां से सूरज पर आसानी से रिसर्च की जा सकती है। लैगरेंज पॉइंट का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमैटीशियन जोसेफी-लुई के नाम पर रखा गया है।

एक देश-एक चुनाव, राहुल गांधी बोले-ये आइडिया संघ पर हमला

- **स्टालिन ने कहा-यह भाजपा की साजिश, पहले अपना भ्रष्टाचार तो रोकिए**

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश-एक चुनाव के मुद्दे पर राजनीति शुरू हो गई है। 3 सितंबर को इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर लिखा- इंडिया यानी भारत, यह राज्यों का संघ है। वन नेशन-वन इलेक्शन का आइडिया संघ और राज्यों पर हमला है। वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि एक देश-एक चुनाव को भाजपा की साजिश बताया। ये भी कहा कि वो (भाजपा सरकार) कहते हैं कि इससे

चुनावी खर्च में कमी आएगी, लेकिन इससे पहले वे अपना भ्रष्टाचार रोकें। केंद्र ने पूर्व राष्ट्रपति को कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। उन्हें इससे राजनीति को दूर रखना चाहिए। जो कमेटी बनाई गई है, वो भाजपा की बात को ही फॉलो करेगी। यह तानाशाही है। वे इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस से डर गए हैं। 'एक देश-एक चुनाव' के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनाई गई समिति के लिए सरकार ने शनिवार को आठ सदस्यों का नाम जारी किया। इनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और राज्यसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी का नाम शामिल रहा।

इस्लाम का जरूरी हिस्सा नहीं...

असम में बहुविवाह के खिलाफ जल्द बनेगा कानून

समिति की रिपोर्ट पर कानून बनाने को तैयार हिमंता सरकार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बहु विवाह पर बैन लगाने के लिए सरकार तैयार है। विधानसभा सदन में बहु विवाह के खिलाफ प्रस्ताव रखा जाएगा और बिल पास होते ही असम में बहुविवाद पर प्रतिबंध लग जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि बहु विवाह के खिलाफ बनाई गई समिती की रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट पर लोगों से फीडबैक मांगा गया था। लोगों ने बहु विवाह के खिलाफ कानून बनाने के समर्थन दिया है। अब सरकार सदन में बिल पेश करने के लिए तैयार है। हिमंत बिस्व सरम सरकार ने पहले असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन किया था। संबंधित समिति के रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद राज्य विधानसभा में विधेयक लाने से पहले सरकार ने जनता की राय मांगी गई थी।

मराठा मोर्चा लाठीचार्ज के बाद एकनाथ शिंदे सरकार का बड़ा फैसला

जबरन छुट्टी पर भेजे गए जालना के एसपी तुषार दोशी?

मुंबई: महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार ने जालना जिले के एसपी तुषार दोशी को जबरन छुट्टी पर भेज दिया है। दरअसल जालना जिले में मराठा आरक्षण के लिए प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस लाठीचार्ज की पूरे राज्य में तीखी प्रतिक्रिया हुई। इस घटना के बाद पूरे महाराष्ट्र में मराठा समुदाय आक्रामक हो गया। मराठा समुदाय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस से नाराज था। वहीं मराठा आंदोलनकारियों का मुख्य निशाना गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस थे। बताया जा रहा है कि पुलिस के लाठीचार्ज में कई पुरुष प्रदर्शनकारी, महिलाएं और बच्चे भी घायल हुए हैं। इससे मराठा समुदाय की भावनाएं आहत हुईं। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से बड़ा कदम उठाया गया।

सूत्रों ने बताया कि जालना जिले में शुक्रवार को भड़की हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने ४० लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि भूख हड़ताल पर बैठे एक व्यक्ति को शुक्रवार को वहां मौजूद लोगों की ओर से कथित तौर पर अस्पताल नहीं ले जाने देने के कारण पुलिस ने यह कार्रवाई की थी। इसके बाद अंतरवाली सराटी गांव में भीड़ हिंसक हो गयी जिसे तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। उन्होंने बताया कि इस घटना में ४० पुलिसकर्मियों समेत कई अन्य लोग घायल हो गए। इस दौरान १५ से अधिक बसों को आग लगा दी गई। हिंसा के सिलसिले में करीब ३६० लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कई विपक्षी नेताओं ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है, जबकि राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की मांग की गई।मराठा आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र के जालना जिले में हुई हिंसा के मद्देनजर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार इस समुदाय को शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम तब तक चुप नहीं बैठेंगे जब तक समुदाय को वाजिब आरक्षण नहीं मिल जाता है। उन्होंने कहा कि जब तक मराठा समुदाय को आरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक पहले से चल रहीं सरकारी योजनाएं जारी रहेंगी और मराठा समुदाय के पात्र लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

दिल्ली में जी-20 समिट की सुरक्षा करेगा नेत्र एयरक्राफ्ट

दिल्ली के एयर स्पेस की मॉनीटरिंग करेगा, बालाकोट स्ट्राइक के समय पाकिस्तानी एफ-16 की निगरानी की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को होने वाले जी-20 समिट में 19 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपति समेत ब्रिटेन और जापान के प्रधानमंत्री भी आएंगे। भारत विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के लिए पुख्ता व्यवस्था कर रहा है। भारतीय वायुसेना हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए स्वदेशी सर्विलांस और मॉनिटरिंग एयरक्राफ्ट नेत्र तैनात करने की तैयारी कर रहा है। वायुसेना का यह एयरक्राफ्ट फरवरी 2019 में बालाकोट स्ट्राइक के समय भी चर्चा में था। तब पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमानों की निगरानी के लिए इसे तैनात किया गया था। दिल्ली की हवाई सुरक्षा के लिए मिसाइलें भी तैनात की जाएंगी। सेना के हेलिकॉप्टर एयर पेट्रोलिंग करेंगे। इनमें एनएसजी कमांडो रहेंगे। समारोह स्थल के आसपास बड़ी और ऊंची इमारतों पर सेना और एनएसजी स्नाइपर तैनात होंगे। पहली बार एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है, यानी समिट के दौरान पतंग भी नहीं उड़ेगी। समिट की सुरक्षा के लिए दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित कैमरे भी तैनात किए गए हैं। कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर ये कैमरे तुरंत सुरक्षा अधिकारी को अलर्ट मैसेज

भेज देंगे। जहां विदेशी मेहमान ठहरेंगे, वहां एंटी ड्रोन सिस्टम और बुलेट प्रूफ शीशे लगवाए गए हैं। वहीं, आईटी एक्सपर्ट की टीम समिट के दौरान सोशल मीडिया पोस्ट, ट्रेंड्स पर नजर रखेगी। जी 20 सम्मेलन के लिए आ रहे वर्ल्ड लीडर्स को चांदनी चौक के स्पेशल फूड और मिलेट्स के अलावा स्ट्रीट फूड परोसा जाएगा। जी 20 इंडिया के विशेष सचिव मुक्तेश परदेशी के मुताबिक शिखर सम्मेलन के लिए 10 हजार से ज्यादा लोगों के दिल्ली आने की उम्मीद है। इसके लिए शेफ मेनू को फाइनल टच देने के लिए ओवर टाइम काम कर रहे हैं। जी-20 समिट के लिए केंद्र सरकार ने लेफ्ट हैंड ड्राइव कारें मंगाई हैं। ये गाड़ियां बुलेट-प्रूफ होंगी और इनका इस्तेमाल विदेशी मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए किया जाएगा। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के 450 जवानों को इन कारों को चलाने की ट्रेनिंग दी गई है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार ने 41 विदेशी मेहमानों के लिए 60 से ज्यादा लेफ्ट हैंड ड्राइव कारें खरीदी या किराए पर ली हैं। इनमें ऑडी, मर्सिडीज जैसी लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं। भारत में राइट हैंड ड्राइव गाड़ियां चलाने का प्रोटोकॉल है। इनमें स्टीयरिंग गाड़ी के राइट साइड में होता है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 06 सितंबर 2023

आर्थिक मोर्चे पर अगस्त महीने में मोदी सरकार की बल्ले-बल्ले, जीडीपी से लेकर यूपीआई ट्रांजेक्शन तक कई सेक्टरों में दर्ज की गई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से अगस्त का महीना बेहद शानदार रहा है। अगस्त महीना भारत सरकार के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। पिछले महीने में जीडीपी से लेकर जीएसटी तक, कार बिक्री से लेकर बैंक क्रेडिट तक, मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई से लेकर यूपीआई ट्रांजेक्शन तक, बिजली खपत से लेकर एविएशन फ्यूल तक और कोयला उत्पादन से लेकर रेलवे माल ढुलाई में तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, महंगाई के मोर्चे पर भी सरकार को थोड़ी राहत मिली है। जुलाई के महीने में टमाटर और हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे थे। टमाटर 250 रुपये प्रति किलो के भाव से ऊपर पहुंच गया था। अब टमाटर और हरी सब्जियों के दामों में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है।

चार तिमाहियों के उच्चतम पर पहुंची जीडीपी

एनएसओ ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले क्वार्टर के जीडीपी के आंकड़े जारी किये। एनएसओ के आंकड़े के मुताबिक, अप्रैल से जून के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। एनएसओ ने बताया, कृषि और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछली चार तिमाहियों में सबसे ऊंची वृद्धि दर है। इसके साथ ही भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से वृद्धि करने वाला देश बना हुआ है। चीन की जीडीपी वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में 6.3 प्रतिशत रही है।

जीएसटी कलेक्शन में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अगस्त महीने में जीएसटी कलेक्शन 1.59 लाख करोड़ के पार रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त महीने के दौरान जीएसटी कलेक्शन में सालाना आधार पर 11 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और आंकड़ा 1.59 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा। यह आंकड़ा साल भर पहले यानी अगस्त 2022 की तुलना में 11 फीसदी ज्यादा है। भारत में विनिर्माण गतिविधियों ने अगस्त में गति पकड़ी है। एक सर्वे के मुताबिक अगस्त में विनिर्माण क्षेत्र के पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई का आंकड़ा 58.6 पर रहा है। पिछले महीने यानी जुलाई में मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई का आंकड़ा 57.7 पर रहा था। अच्छी खबर ये है कि पिछले तीन महीने का उच्च स्तर है। जून में मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई का आंकड़ा 57.8 पर रहा था वहीं मई में भी मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई डेटा अच्छी तेजी के साथ 57.8 पर रहा था।

यूपीआई ट्रांजेक्शन 10 अरब के पार

अगस्त में यूपीआई ट्रांजेक्शन में एक नया रिकॉर्ड बन गया। अगस्त में कुल 10.58 अरब यूपीआई लेन-देन हुआ। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यूपीआई का इस्तेमाल मोबाइल फोन के जरिए पैसे के तत्काल लेनदेन के लिए किया जाता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में अब 57 फीसदी ट्रांजेक्शन यूपीआई के जरिए किया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त के महीने में यूपीआई ट्रांजेक्शन का आंकड़ा 10.58 अरब हो गया है। इस दौरान करीब 15,18,456.4 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है। वहीं, जुलाई में यूपीआई से 9.96 अरब ट्रांजेक्शन हुए थे। वहीं जून में 9.33 अरब यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए।

इन सेक्टर में दर्ज की गई बढोतरी

इन सबके अलावा, ऑटोमोबाइल्स सेल्स, रेलवे माल ढुलाई, कोयला उत्पादन, बिजली खपत, बैंक क्रेडिट और एविएशन टरबाइन फ्यूल में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक डेटा के मुताबिक, अगस्त में 3,60,897 कारों की बिक्री हुई है। बिजली खपत 152 बिलियन यूनिट्स के पार चली गई है। कोयला उत्पादन 67.65 मीट्रिक टन रहा। रेल के जरिए माल ढुलाई 126.9 मीट्रिक टन हुई है। बैंक क्रेडिट में 19.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा एविएशन टरबाइन फ्यूल की बिक्री में भी 9.5 फीसदी तक वृद्धि दर्ज की गई है। कुल मिलाकर सरकार के लिए अगस्त का महीना राहत लेकर आया है।

रेटिंग एजेंसियों ने बढ़ाया जीडीपी का अनुमान

पहली तिमाही के आंकड़े सामने आने के बाद कई रेटिंग एजेंसियों ने भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान बढ़ा दिया है। नोमुरा ने 2023-24 के ग्रोथ अनुमान को पहले के 5.5 फीसदी से बढ़ाकर 5.9 फीसदी कर दिया है। डॉयचे बैंक ने भी भारत के लिए अपने पूरे साल के ग्रोथ अनुमान को 20 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 6.2 फीसदी कर दिया, जबकि मॉर्गन स्टेनली ने भी अपने जीडीपी ग्रोथ अनुमान बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। मूडीज की तरफ से भी देश की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया गया है। रेटिंग एजेंसी ने 2023 के लिए इंडियन इकोनॉमी की विकास दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है

1 हफ्ते में रिलायंस को हुआ 38,495 करोड़ का नुकसान, एयरटेल और एसबीआई को भी घाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की टॉप-10 में से 7 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह कुल 62,279.74 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। बीते हफ्ते रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन घट गया। वहीं, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी हुई।

बीते हफ्ते रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 38,495.79 करोड़ रुपये के नुकसान से 16,32,577.99 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 14,649.7 करोड़ रुपये घटकर 5,88,572.61 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल का 4,194.49 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 4,84,267.42 करोड़ रुपये रह गया।

आईटीसी की बाजार हैसियत 3,037.83 करोड़ रुपये घटकर 5,50,214.07 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक की 898.8 करोड़ रुपये के नुकसान से 6,78,368.37 करोड़ रुपये रह गई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 512.27 करोड़ रुपये घटकर 12,36,466.64 करोड़ रुपये रह गया। एसबीआई की बाजार हैसियत में 490.86 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,08,435.14 करोड़ रुपये रह गई।

इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,917.11 करोड़ रुपये के उछाल से 11,92,752.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 9,338.31 करोड़ रुपये के उछाल से 5,98,917.39 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 6,562.1 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 4,43,350.96 करोड़ रुपये रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 500.65 अंक या 0.77 प्रतिशत की बढ़त में रहा। टॉप-10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एसबीआई, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

जनवरी-मार्च में छत पर सौर क्षमता स्थापना 3.2% बढ़कर 872 मेगावाट हुईः मेरकॉम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में छत पर सौर क्षमता (रूफटॉप सोलर) स्थापना चालू कैलेंडर साल के पहले छह माह (जनवरी-जून) के दौरान 3.2 प्रतिशत बढ़कर 872 मेगावाट (मेगावाट) हो गई है। मेरकॉम इंडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले साल यानी 2022 की पहली छमाही में देश में छत पर 845 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई थी। 'मेरकॉम इंडिया रूफटॉप सोलर मार्केट रिपोर्ट में कहा गया है कि जून, 2023 के अंत तक भारत में छतों पर स्थापित कुल सौर क्षमता 9.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) पर पहुंच गई है। मेरकॉम कैपिटल समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राज प्रभु ने कहा, ''कलपुर्जों की कीमतें घटने और बढ़ती मांग के बावजूद पहली छमाही में छत पर सौर क्षमता स्थापना उम्मीद के अनुरूप नहीं रही है। हम दूसरी छमाही में काफी मजबूत स्थिति देख रहे हैं क्योंकि बेहतर मार्जिन की चाहत रखने वाले सौर स्थापना में तेजी ला रहे हैं और मांग को अधिक तेजी से पूरा कर रहे हैं। मेरकॉम ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में क्षमता वृद्धि में आवासीय उपभोक्ताओं का 54 प्रतिशत, औद्योगिक उपभोक्ताओं का 25 प्रतिशत और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं का 21 प्रतिशत हिस्सा रहा। औद्योगिक क्षेत्र की बात की जाए, तो मुख्य रूप से फार्मास्युटिकल्स, रसायन, रोजमर्रा के उपभोग के सामान (एफएमसीजी), वाहन और वाहन कलपुर्जा क्षेत्रों की इकाइयों ने छतों पर सौर क्षमता की स्थापना की। छतों पर कुल सौर क्षमता स्थापना में गुजरात सबसे आगे था।

कृति सेनन को स्कूल टीचर ने भेजा स्पेशल मैसेज...

बॉलीवुड में तमाम फिल्में बनी हैं, जिसमें एक्टर्स ने टीचर और एजुकेशन के महत्व को बखूबी बताया है। टीचर और कुछ एक्टर्स का रिलेशन सिर्फ बड़े पर्दे पर ही नहीं बल्कि असल जिंदगी में भी खूबसूरत रहा है। आज शिक्षक दिवस के मौके पर नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्ट्रेस कृति सेनन को उनकी स्कूल टीचर ने एक स्पेशल संदेश भेजा। कृति सेनन इंजीनियरिंग स्टूडेंट रही हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग शुरू की। फिर एक्टिंग और अब खुद का प्रोडक्शन हाउस खोलकर नई पारी शुरू की शुरूआत की है। उनकी कामयाबी पर टीचर्स डे के मौके पर उनकी एक टीचर ने बधाई देते हुए प्यारा सा वीडियो भेजा। कृति की एक टीचर ने कहा, ''कृति हमें तुम पर गर्व है। आपकी फिल्म मिमी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना कितनी शानदार उपलब्धि है। डीपीएस आरके पुरम में हम हमेशा से जानते थे कि आप फिल्म जगत में अपने लिए जगह बनाने जा रही हैं। मुझे याद है कि स्कूल में छठी क्लास में आप कितनी शानदार डांसर थीं और हमेशा सेंटर स्टेज पर रहती थीं। जब 11वीं में आपकी टीचर बनी, तो मुझे एहसास हुआ कि आप न केवल एक कमल की डांसर हैं, बल्कि पढ़ाई में भी अच्छी थीं।'' उन्होंने आगे लिखा, ''कृति हमारे टॉपर्स में से एक, एक महान स्पीकर और एक महान लेखिका और आप शायरी क्लब और स्कूल काउंसलिंग का भी हिस्सा थीं। यह हमेशा से साफ था कि आप अपने जीवन में एक अलग मुकाम बनाएंगी, फिल्मों की दुनिया में जाएगी और यहां तक पहुंचेंगी, नेशनल अवार्ड जीतेंगी। हम सब की ओर से आपको बधाई और शुभकामनाएं।''

कृति सेनन अपकमिंग फिल्में

बता दें कि कृति सेनन को इस साल मिनी फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवार्ड मिला था। कृति ने 2014 में फिल्म हीरोपंती से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। आउटसाइडर होने के नाते उन्होंने एक दशक से भी कम समय में अपनी योग्यता के आधार पर बॉलीवुड में टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्मों में 'गणपथ-पार्ट 1' शामिल है। इसके अलावा शाहिद कपूर के साथ भी उनकी एक फिल्म देखने को मिलेगी।

इंडस्ट्री के बर्ताव पर छलका अमीषा का दर्द

अमीषा पटेल इन दिनों फिल्म 'गदर 2' की वजह से चर्चा में हैं। इस फिल्म में सनी देओल के साथ एक्ट्रेस की जोड़ी खूब जमी है। इससे पहले वर्ष 2018 में आई फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' में भी अमीषा, सनी देओल संग नजर आई थीं। मगर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल सकी। फिलहाल 'गदर 2' की वजह से मिल रही तारीफों के बीच अमीषा पटेल ने उस वक्त को याद किया है, जब फिल्में नहीं चलने की वजह से उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

हाल ही में अमीषा पटेल ने कहा कि जब उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलीं तो उन्हें जमकर टारगेट किया गया। किसी ने उनका सपोर्ट नहीं किया। एक्ट्रेस का कहना है कि उनके साथ ऐसा बर्ताव इसलिए हुआ, क्योंकि वह किसी फिल्मी परिवार से नहीं आती हैं। अमीषा ने आगे कहा कि जो लोग इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं, उन्हें हमेशा सपोर्ट मिलता है।

अमीषा पटेल ने कहा, 'अगर मैं फिल्मी बैकग्राउंड से होती और मेरा कोई गॉडफादर होता तो मेरी फिल्में अगर नहीं भी चलतीं, तो भी मुझे सम्मान दिया जाता और मुझे बड़ी-बड़ी फिल्में मिलतीं। लेकिन, जो हुआ ठीक है...शायद मैं ब्लॉकबस्टर हिट के लिए बनी हूं।'

अमीषा पटेल ने अन्य सितारों से असुरक्षित महसूस करने को लेकर कहा कि वह उनके बारे में कहानियां सुनती थीं, लेकिन कोई भी आपके सामने आकर यह बताने वाला नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा, 'कामकाज वाले माहौल में आपको सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर फोकस करना चाहिए, आसपास की नेगेटिविटी से प्रभावित होने की जरूरत नहीं।' अमीषा ने यह भी जिक्र किया कि बॉक्स ऑफिस पर एक फिल्म के नहीं चलने पर जब मेकर्स को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा था तो उन्होंने अपनी फीस छोड़ दी थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने ऐसी स्थितियों में फीस नहीं ली, क्योंकि मुझे लगता है कि दूसरे व्यक्ति की स्थिति को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए मुझे किसी ने मजबूर नहीं किया, मैंने अपने निर्माताओं के सम्मान में ऐसा किया'।

नीरजा के बाहर होने पर रिया चक्रवर्ती हुईं भावुक

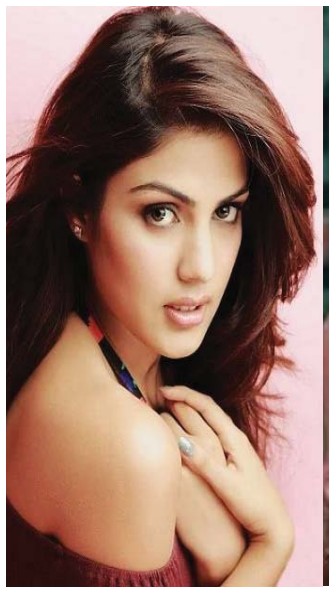

एमटीवी रोडीज 19 कर्म या कांड रियलिटी शो को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। इस शो में कंटेस्टेंट्स कारनामों को दर्शक खूब इंजॉय कर रहे हैं। यह शो अब अपने चरम पर पहुंच चुका है। इस शो में कंटेस्टेंट्स के बीच लगाव देखने को मिल रहा है। गैंग लीडर्स भी कंटेस्टेंट्स पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। जब ट्रांसजेंडर प्रतियोगी नीरजा पूनिया एलीमिनेट हुईं तो हर कोई इमोशनल हो गया। रोडीज 19 की पूरी टीम दुखी नजर आई। गैंग लीडर रिया चक्रवर्ती के आंखों में आंसू आ गए।

ट्रांसजेंडर प्रतियोगी नीरजा पूनिया की जब शो से एलिमिनेट हो गई तो गैंग लीडर्स रिया चक्रवर्ती ने कंटेस्टेंट्स से गुजारिश की कि वो अपने पावर का इस्तेमाल करके नीरजा को फिर से शो में वापस बुला ले, लेकिन नीरजा को वापस बुलाने में किसी भी प्रतियोगी ने कोई रुचि नहीं दिखाई। नीरजा को गले लगाकर रिया चक्रवर्ती खूब रोईं। उन्हें नीरजा के शो से बाहर होने का दुख था। रिया ने कहा कि इससे मेरा दिल टूट गया है क्योंकि मैं जानती हूं कि वह कहां से आती है और यह उसके लिए कितना मायने रखता है।

नीरजा के बाहर होने से गैंग लीडर रिया चक्रवर्ती काफी इमोशनल हो गई और नीरजा के गले लगकर रोने लगी। रिया ने इस दौरान कहा कि कोई बात नहीं तुमने इस शो में आकर जो किया वो लोगों के लिए एक मिसाल बन गया है। नीरजा के संघर्ष और शो में जिस तरह से वो खेली, इसके लिए जज सोनू सूद ने भी नीरजा को सराहा और कहा कि ये तो अभी शुरुआत है, आगाज अच्छा हुआ है। सीने ने आगे कहा कि तुम लोगों के लिए मिसाल बनोगी। इस एलिमिनेशन के बाद प्रिंस गैंग के लिए जहां चीजें अच्छी हो रही हैं, वहीं गौतम गुलाटी व रिया चक्रवर्ती के गैंग का मुश्किल भरा वक्त चल रहा है।

मौनी ने ढाया कहर

मौनी रॉय ने छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक अलग पहचान बनाई है। एक्ट्रेस 'नागिन' सीरियल से काफी मशहूर हुईं। इसके बाद उन्होंने 'गोल्ड' और 'ब्रह्मास्त्र' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया। हाल ही में, मौनी रॉय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर साड़ी में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो अपना कातिलाना अंदाज दिखाते हुए नजर आ रही हैं। मौनी की इन तस्वीरों पर फैन भी अपना दिल हार बैठे हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय एक्टिंग के अलावा अक्सर अपने लुक और ग्लैमर की वजह से भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। वह आए दिन अपने फैंस और फॉलोअर्स के साथ अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने साड़ी में कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसने हर किसी का ध्यान खींचा है।

इन फोटोज में मौनी रॉय ब्लू कलर की व्हाइट प्रिंट वाली साड़ी पहने नजर आ रहीं हैं। इस साड़ी को उन्होंने व्हाइट ब्लाउज के साथ वियर किया है। मौनी ने कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो एक से बढ़कर एक पोज देते हुए दिखाई दे रही हैं। कुछ फोटो में वो जमीन पर बैठ कर अपनी पतली कमर फ्लॉन्ट कर रही हैं, तो कुछ में सोफे पर लेट कर अदाएं दिखा रही हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' से बाहर हुईं डेजी

खतरों के खिलाड़ी 13 का लेटेस्ट एपिसोड ट्विस्ट एंड टर्न से भरा रहा। जैसे-जैसे शो अपने फिनाले की ओर बढ़ता जा रहा है, वैसे- वैसे खतरे का लेवल भी बढ़ता जा रहा है। शो में आने वाले खतरों का लेवल दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है और कंटेस्टेंट्स के बीच कॉम्पटीशन भी बढ़ता जा रहा है। इस बीच लेटेस्ट एपिसोड में वाइल्ड कार्ड एंट्री लेते ही डेजी शाह शो से बाहर हो गईं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .